दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-८३ वा | गुरूवार ८ जनवरी २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र रद्द करने के मामले में प्रशासन को शपथपत्र दाखिल करने के उच्च न्यायालय के आदेश

सय्यद एजाज के नेतृत्व में न्यायालयीन संघर्ष

काजी अमान/गेवराई

गेवराई तालुका में ११ अगस्त २०२३ के बाद जारी किए गए हजारों जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों को बिना किसी पूर्व सूचना के और बिना किसी सुनवाई के रद्द कर दिया गया, जिससे सामान्य नागरिकों को भारी मानसिक और प्रशासकीय कष्ट सहन करना पड़ा। इस मनमानी कार्रवाई के खिलाफ पूर्व नगरसेवक सय्यद एजाज ने पहल की और पीड़ित नागरिकों को एकजुट किया तथा मुंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ में रिट याचिका दाखिल कर प्रशासन को सीधे न्यायालय के कटघरे में खड़ा किया।

गेवराई तहसीलदार के आदेश से कनिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए प्रमाणपत्रों को सरसकट रद्द कर दिया गया।श९१६९श यह निर्णय जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम के साथ-साथ संविधान के अनुच्छेद १४, १९ और २१ का उल्लंघन करने वाला है, इस आरोप के साथ इस मामले को न्यायालय में चुनौती दी गई। गेवराई के तहसीलदार ने १९ मार्च २०२५ को आदेश पारित कर ०२/०२/२०२४ से २१/०१/२०२५ की अवधि में तहसील कार्यालय से नायब तहसीलदार के आदेश से जारी किए गए सभी जन्म-मृत्यु आदेशों को रद्द करने का आदेश दिया था।२व७३४ष साथ ही, वह आदेश महाराष्ट्र सरकार ने १६ सितंबर २०२५ को शासन निर्णय पारित कर नए जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के लिए कठोर शर्तें लगाई थीं। वे दोनों आदेश असंवैधानिक हैं, उन्हें रद्द घोषित किया जाए, ऐसी मांग भी याचिका में की गई है। वहीं, पूर्व नगरसेवक सय्यद एजाज ने गरीब, वंचित, मजदूर, विद्यार्थी की जीवनभर की कागजातों को एक झटके में अमान्य करना अन्यायपूर्ण है, ऐसी दृढ़ भूमिका अपनाई। ५ जनवरी २०२६ को सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने राज्य के मुख्य सचिव, विभागीय आयुक्त (छत्रपति संभाजीनगर), जिल्हाधिकारी बीड, तहसीलदार और नायब तहसीलदार गेवराई को २३ जनवरी तक शपथपत्र दाखिल करने के आदेश दिए। अगली सुनवाई ३ फरवरी २०२६ को रखी गई है। जन्म प्रमाणपत्र स्कूल प्रवेश, सरकारी नौकरी, पासपोर्ट, आधार आदि के लिए अत्यावश्यक होने पर, राजनीतिक दबाव में प्रशासन ने कार्रवाई की, ऐसा आरोप भी याचिका में किया गया है। यह संघर्ष केवल कागजातों का नहीं, बल्कि सामान्य व्यक्ति के सम्मान का है, ऐसा कहते हुए सय्यद एजाज ने पीड़ितों को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा, ऐसा संकल्प व्यक्त किया है। न्यायालय के हस्तक्षेप से प्रशासन की मनमानी पर लगाम लगेगी, ऐसी आशा नागरिकों में व्यक्त हो रही है। इस मामले में याचिकाकर्ता एडवोकेट काजी मुखीमोद्दीन सईदोद्दीन और शेख इरफाना इस्माइल ने शासन निर्णय १२ मार्च २०२५, शासन का पत्र १७ मार्च २०२५ तथा तहसीलदार गेवराई का सभी प्रमाणपत्र रद्द करने का आदेश असंवैधानिक होने का दावा किया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से छत्रपति संभाजीनगर के प्रसिद्ध विधिज्ञ एड. सुदर्शन साळुंके और एड. महेंद्र पंडितराव गंडले ने कानून की प्रावधानों का गहन अध्ययन कर मजबूत ढंग से पक्ष रखते हुए तर्क दिए। उन्हें एडवोकेट सोमेश्वर मुंडिक और एडवोकेट सिद्धार्थ पाईकराव का सहयोग प्राप्त हुआ। इस मामले पर पूरे महाराष्ट्र की नजर है।

भाजपा की अंबरनाथ में कांग्रेस और अकोट में एमआयएमसे साठगाठ!

नगरपालिका में सत्ता के लिए शिंदे गुट को किया दूर; प्रांतीय नेतृत्व ने कार्रवाई की धमकी

जमीर काझी

मुंबई:

कांग्रेस मुक्त भारत का नारा देने वाली और वोट बैंक की राजनीति पर हमला करने वाली भाजपा को अब स्थानीय स्तर पर सत्ता हासिल करने के लिए उन्हीं दलों से समझौता करना पड़ रहा है। अंबरनाथ नगरपालिका में कांग्रेस के साथ और अकोट नगरपालिका में चखच् के साथ हुई गठबंधन की खबर ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है।

इस मामले के सामने आने पर भाजपा की दोहरी नीति पर सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट) सहित विपक्षी दलों ने तीखी आलोचना की है।

इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर गहरी नाराजगी जताई है। भाजपा और कांग्रेस के प्रांतीय नेतृत्व ने संबंधित नेताओं पर कार्रवाई का डंडा उठाया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने अकोट के विधायक प्रकाश भारदाणे को कारण बताओ नोटिस थमाई है। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाळ ने अंबरनाथ कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप पाटील का निलंबन करते हुए पूरी कार्यकारिणी भंग कर दी है।

अंबरनाथ में शिंदे सेना को झटका देकर भाजपा-कांग्रेस एक साथ

अंबरनाथ नगरपरिषद में भाजपा की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने शिवसेना (शिंदे गुट) की मनीषा वाळेकर को हराया। बहुमत जुटाने के लिए उन्होंने पारंपरिक सहयोगी शिवसेना को नजरअंदाज कर कांग्रेस से हाथ मिलाया। नतीजतन, शिंदे गुट के सबसे ज्यादा २८ नगरसेवक होने के बावजूद उन्हें सत्ता से बाहर रहना पड़ा। यहां भाजपा (१५), कांग्रेस (१२) और राष्ट्रवादी (अजित पवार गुट) (४) मिलकर ३१ का बहुमत हासिल कर चुके हैं।

वहीं, अकोला जिले की अकोट नगरपालिका में इससे बड़ा झटका लगा है। यहां भाजपा ने चखच् के साथ मोर्चा बनाया है। भाजपा (११) और चखच् (५) ने मिलकर 'अकोट विकास मंच' गठित किया है, जिसमें ठाकरे की शिवसेना, शिंदे की शिवसेना, दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस और बच्चू कडू की प्रहार जनशक्ति पार्टी भी शामिल हो गई है।

इन दोनों मामलों से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बेहद नाराज हैं। महानगरपालिका चुनावों के मुहाने पर ऐसी गठबंधनों से मतदाताओं में भाजपा की विचारधारा को लेकर गलत संदेश जा रहा है। स्थानीय नेताओं ने प्रांतीय नेतृत्व को विश्वास में लिए बिना फैसले लिए, इसलिए अनुशासनहीनता की कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच, अकोट और मीरा-भाईंदर महानगरपालिका में भाजपा की चखच् के साथ स्थानीय स्तर पर गठबंधन की खबरों से विवाद और बढ़ गया है। अकोट में बहुमत के लिए भाजपा के स्थानीय नेताओं ने 'अकोट विकास मंच' बनाया। विपक्षी उम्मीदवारों से नामांकन वापस लेने के बाद ही गठबंधन हुआ, ▶▶पान ४ पे

अंकुशनगर इलाके में हत्या मामले के आरोपियों की तलाश के लिए तीन टीम गठित

हत्या का कारण अभी तक अस्पष्ट, आज सुबह शव का हुआ पोस्टमॉर्टम

बीड। प्रतिनिधी

पाइपलाइन का काम कर रहे ठेका कर्मचारी पर गोली चलाकर उसकी नृशंस हत्या करने की सनसनीखेज घटना कल शहर के अंकुशनगर इलाके में घटी। इस मामले में आरोपी फरार हो गया है और उसकी तलाश के लिए एलसीबी की दो तथा शिवाजीनगर थाने की एक टीम तैनात की गई है। यह हत्या किस कारण से की गई, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। मृतक की पत्नी का पुलिस ने बयान दर्ज किया है। आज सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस ▶▶पान ४ पे

भाजपा की ओर से राम नाम की बजाय मुसलमान शब्द का जप; मुंबई कांग्रेस का तीखा हमला

बांग्लादेशी बढ़े तो अमित शाह अपयशी और अकार्यक्षम: सचिन सावंत

जमीर काझी

मुंबई:

भारतीय जनता पार्टी के पास विकास के मुद्दों पर चर्चा करने या विकास पर बोलने लायक कुछ भी नहीं होने के कारण वे लगातार हिंदू-मुस्लिम मुद्दा उखाड़कर सामने लाते हैं। भाजपा और अमित साटम को नींद में तथा स्वप्न में भी केवल मुस्लिम ही दिखते हैं। वे प्रभु राम का जप नहीं करते बल्कि मुसलमान नाम का जप करते हैं, ऐसा तीखा हमला अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव तथा मुंबई कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सचिन सावंत ने बुधवारी को किया।

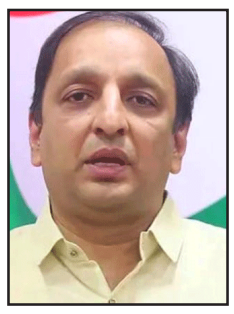

मुंबई भाजपा के अध्यक्ष अमित साटम ने मुंबई में हिंदुओं की जनसंख्या कम हुई तथा मुस्लिम जनसंख्या बढ़ी होने का आरोप लगाया। इसके जवाब में सावंत ने कहा कि, 'कुछ आंकड़े दिए हैं। देश में जनगणना हुई ही नहीं है। तो यह दामाद आंकड़ा उन्होंने कहां से खोज निकाला? अच्छा, वोटर बढ़े ऐसा कहते हैं तो चुनाव आयोग और भाजपा खुद इस पर अपनी पीठ थपथपाते थे। भाजपा बिना किसी अध्ययन के, बिना जानकारी लिए बोलने वाला 'ढ' पक्ष है। वोट जिहाद कहकर वे मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। देश में बांग्लादेशी बढ़े ऐसा भाजपा बोंब मारती है तो फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व सक्षम नहीं है क्या? वे अकार्यक्षम, कुचकामी हैं ऐसा अमित साटम को कहना है क्या? यदि ऐसा नहीं है तो अमित शाह को अमित साटम की हकालपट्टी करनी चाहिए', ऐसा कहा।

सांसद वर्षा एकनाथ गायकवाड ने उज्ज्वल निकम का करारा पराजय किया यह भाजपा के जिगर ▶▶पान ४ पे

नगर परिषद चुनाव खर्च का हिसाब प्रस्तुत करने की आव्हान।

बीड, दिनांक ७ (जिमाका) :- बीड नगर परिषद चुनाव-२०२५ के अंतर्गत चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अपनी चुनावी खर्च का विवरण निर्धारित अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए, ऐसा आव्हान चुनाव निर्णय अधिकारी तथा उप-मंडल अधिकारी, बीड ने किया है।

भारतीय लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धाराओं के अनुसार चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की तारीख से मतगणना की तारीख तक हुए चुनावी खर्च के हिसाब विहित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। उसके अनुसार दिसंबर २०२५ में संपन्न हुई बीड नगर परिषद के नगराध्यक्ष तथा २६ प्रभागों में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अपना खर्च का विवरण दिनांक ०४ दिसंबर २०२५ से दिनांक ३१ दिसंबर २०२५ की अवधि का नोटिस के अनुसार प्रस्तुत करना आवश्यक है।

अब तक कुछ उम्मीदवारों ने अपना खर्च का विवरण प्रस्तुत नहीं किया है, तो उन्हें तुरंत चुनाव निर्णय अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेजों सहित खर्च का हिसाब प्रस्तुत करना चाहिए, ऐसा आव्हान किया गया है। इस आदेश का पालन न करने पर संबंधित उम्मीदवारों पर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी, ऐसा इशारा भी दिया गया है।

जिन्होंने हिसाब प्रस्तुत नहीं किया है, वे इसे शीघ्र प्रस्तुत करें, ऐसा आव्हान उप-मंडल अधिकारी कविता जाधव ने किया है।

हमें अपनी सीमा और ताकत का अंदाज़ा है, फिर भी हम अपनी अलग पहचान के साथ चुनावी मैदान में हैं: सुनील तटकरे

अमित साटम जनता को गुमराह कर रहे हैं, धारावी मामले में अगर अडानी के खिलाफ जाना पड़ा तो हम डटकर मुकाबला करेंगे: नवाब मलिक

मुंबई: नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) ने मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों के संदर्भ में शहरवासियों के लिए अपना व्यापक मेनिफेस्टो जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि पार्टी पूरे आत्मविश्वास के साथ और अपनी अलग राजनीतिक पहचान को बनाए रखते हुए चुनावी मैदान में उतरी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमें अपनी सीमाओं और ताकत का पूरा अंदाज़ा है, लेकिन इसके बावजूद हम मुंबई शहर में मज़बूती के साथ अपनी अलग पहचान के साथ चुनाव का सामना कर रहे हैं और सभी मुंबई वासियों से अपील करते हैं कि वे नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी का साथ दें।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम के एमसीए लाउंज में एक भीड़भाड़ वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुनील तटकरे ने कहा कि राज्य में २६५

म्यूनिसिपल कौंसिलों और नगर पंचायतों के चुनावों के बाद अब २९ म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनाव होने जा रहे हैं। कुछ शहरों में गठबंधन के तहत मुकाबला हो रहा है, लेकिन मुंबई में बीजेपी और शिवसेना एक साथ चुनावी मैदान में हैं, जबकि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ९४ सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि उम्मीदवारों के चयन में किसी खास वर्ग को तरजीह दी गई है। उनके अनुसार ९४ उम्मीदवारों में मराठी, उत्तर भारतीय, मुस्लिम, ईसाई, तेलुगु, तमिल और बोहरा समाज से जुड़े उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें ५० महिलाएं, १७ ओबीसी और १२ अनुसूचित जाति के उम्मीदवार भी शामिल हैं, जो पार्टी के सर्वसमावेशी सामाजिक चरित्र को दर्शाता है।

तटकरे ने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी और विश्व स्तरीय शहर है, जहां विभिन्न भाषाओं और धर्मों के लोग बसते हैं। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर, शहरी समस्याओं के ▶▶पान ४ पे

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय का ६६ वाँ दीक्षांत समारोह धूमधाम से संपन्न

माननीय कुलगुरु डॉ.विजय फुलारी की अध्यक्षता में नेत्रदीपक आयोजन

छत्रपति संभाजीनगर, दिनांक ५ : डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय का ६६वाँ दीक्षांत समारोह सोमवार (दिनांक पाँच) को बड़े ठाठ-बाट से संपन्न हुआ। अत्यंत अनुशासन के साथ मात्र ७० मिनट में पूरा कार्यक्रम संपन्न हो गया।

इस समारोह में पुणे स्थित राष्ट्रीय संस्थान 'आयसर' के निदेशक डॉ. सुनील भागवत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माननीय कुलगुरु डॉ. विजय फुलारी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के नाट्यगृह में सुबह ११:३० से १२:४० तक यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रति-कुलगुरु डॉ. वाल्मीक सरवदे, कुलसचिव डॉ. प्रशांत अमृतकर, परीक्षा मंडल संचालक डॉ. बी.एन. डोले, वित्त एवं लेखाधिकारी सविता जम्पावाड, विभिन्न विद्याशाखाओं के अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र शिरसाठ, डॉ. संजय साळुंके, डॉ. वैशाली खापर्डे, डॉ. वीणा हुंबे उपस्थित थे। साथ ही प्रबंध परिषद के सदस्य डॉ. गजानन सानप, काशिनाथ देवधर, प्रबंध परिषद सदस्य डॉ. दीपक पाचपट्टे, डॉ. गौतम पाटील, डॉ. भारत खंदारे, डॉ. रविकिरण सावंत, डॉ. अंकुश कदम, नितिन जाधव, डॉ. योगिता होके पाटील, डॉ. व्यंकटेश लांब, डॉ. अपर्णा पाटील, सह-संचालक डॉ. पंकजा वाघमारे, डॉ. किरण लाडाने आदि की मंच पर उपस्थिति थी।

६४ हजार डिग्री प्राप्तकर्ता

दीक्षांत समारोह में अक्टूबर-नवंबर २०२४ तथा मार्च-अप्रैल २०२५ की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों को डिग्रियाँ वितरित की गईं। इन दोनों परीक्षाओं में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों तथा २१ नवंबर से २१ दिसंबर २०२५ के बीच पीएच.डी. प्राप्त करने वाले २६९ शोधार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं। इस वर्ष के दीक्षांत समारोह के लिए डिग्री प्राप्त करने हेतु ६४ हजार ४०७ आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें स्नातक ५१ हजार ९४२, स्नातकोत्तर १२ हजार ४६५ तथा एम.फिल. एवं पीएच.डी. धारक २६९ छात्र शामिल हैं। महाविद्यालयों में दीक्षांत समारोह अलग से आयोजित किए जाएँगे, जबकि स्नातकोत्तर डिग्री धारकों को संबंधित विभागों में डिग्रियाँ वितरित की जाएंगी।

पीएच.डी. धारकों को मंच पर डिग्री प्रदान

इस वर्ष के दीक्षांत समारोह में पीएच.डी. स्नातकों को मंच पर ही माननीय कुलगुरु डॉ. विजय फुलारी के हाथों डिग्री प्रदान की गई। २१ नवंबर से २१ दिसंबर २०२५ के दौरान आवेदन करने वाले २६९ शोधार्थियों को मंच से डिग्री दी गई। इनमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्याशाखा से १०४, वाणिज्य एवं प्रबंधन शास्त्र विद्याशाखा से २०, मानव विज्ञान विद्याशाखा से ९९ तथा अंतर्विषयी अध्ययन विद्याशाखा से ४६ शोधार्थी शामिल हैं। कुलगुरु डॉ. विजय फुलारी ने मात्र आधे घंटे में लगभग ढाई सौ शोधार्थियों को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरुआत में कुलसचिव डॉ. प्रशांत अमृतकर ने प्रस्तावना में विश्वविद्यालय की प्रगति का अवलोकन प्रस्तुत किया। प्रति-कुलगुरु डॉ. वाल्मीक सरवदे ने मार्गदर्शन किया। शुरुआत में दीक्षांत जुलूस के साथ अतिथियों का सभागृह में आगमन हुआ। इसका नियोजन डॉ. सतीश दवणे ने किया। जुलूस नाट्यगृह पहुँचने के बाद मुख्य कार्यक्रम शुरू हुआ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मानव विज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन शास्त्र तथा अंतर्विषयी शाखाओं की डिग्रियों से संबंधित वाचन अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र शिरसाठ, डॉ. संजय साळुंके, डॉ. वीणा हुंबे तथा डॉ. वैशाली खापर्डे ने किया। शुरुआत में राष्ट्रगान, महाराष्ट्र गान तथा विश्वविद्यालय गान प्रस्तुत किया गया। डॉ. मुस्तजिब खान ने सूत्रसंचालन किया।

अपनी क्षमता का उपयोग समाज और मानवता के लिए करें : प्रो. सुनील भागवत

कल तक जो हम नहीं कर पाए, उसे आज करने की क्षमता शिक्षा से मिलती है। शिक्षा और शोध से प्राप्त हुई क्षमता को मानवता तथा समाज के कल्याण के लिए सार्थक करें, ऐसा आव्हान 'आयसर' के निदेशक प्रो. सुनील भागवत ने किया। लगभग दस मिनट के भाषण में प्रो. भागवत ने कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज आप डिग्री लेकर नए क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस आनंद का उत्सव मनाते हुए थोड़ा पीछे मुड़कर देखना और चिंतन करना भी आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक प्राप्त करना, डिग्री और नौकरी तक सीमित नहीं होना चाहिए। जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। असफलता भी सफलता की एक सीढ़ी होती है। मनुष्य का वास्तविक जीवन अनिश्चितताओं और अप्रत्याशित घटनाओं से भरा होता है। इनके उत्तर पाठ्यपुस्तकों में नहीं मिलेंगे, बल्कि कल्पनाशीलता, भावनात्मक क्षमता और स्व-विकास के माध्यम से हमें जीवन का सामना करना होगा। शिक्षा से सोचने और नया सीखने की क्षमता मिलती है तथा नियोजन व क्रियान्वयन का आत्मविश्वास भी प्राप्त होता है। इन सभी बातों का विचार करके जीवन का साहस से सामना करें, ऐसा आव्हान भी प्रो. भागवत ने किया।

स्वयं अपने लक्ष्य के शिल्पकार बनें : माननीय कुलगुरु

डिग्री लेकर बाहर कदम रखते समय विश्वविद्यालय से आपका संबंध अब बदलने वाला है। अब आप विश्वविद्यालय के एक भागीदार बनेंगे और अपने लक्ष्य के शिल्पकार भी स्वयं ही हैं, इस बात की जागरूकता रखें, ऐसा आव्हान कुलगुरु डॉ. विजय फुलारी ने अध्यक्षीय समारोप में किया। शिक्षा विश्व को बदलने का प्रभावी हथियार है - भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के इस विचार को सामने रखकर विश्वविद्यालय अपनी यात्रा जारी रखे हुए है। आपको प्राप्त हुई डिग्री अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि जीवन यात्रा का एक मील का पत्थर मात्र है। जीवन में आप जो सफलता प्राप्त करेंगे, वह विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात होगी। आपका शोध समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए। आपके जीवन से एक सफल कहानी बननी चाहिए। आपके परिवार, समाज और आपके विश्वविद्यालय को गर्व महसूस हो, ऐसा कार्य करें, ऐसा आव्हान भी कुलगुरु डॉ. विजय फुलारी ने किया।

युवाओं के लिए विभिन्न शासकीय योजनाओं पर मार्गदर्शन कार्यक्रम संपन्न

बीड संवाददाता

माय भारत - मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार), राजर्षी छत्रपती शाहू महाराज प्रतिष्ठान वासनवाड़ी (ता. जि. बीड) तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बीड के संयुक्त तत्वावधान में आज ६ जनवरी २०२५ को सुबह ११ बजे ज्ञानयोग कोचिंग क्लासेस में युवाओं के लिए विभिन्न शासकीय योजनाओं पर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में न्यायाधीश वहाब सय्यद (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बीड), समाधान किरवले (सहायक आयुक्त, जिला कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र, बीड), सत्यजित (जिला युवा अधिकारी, माय भारत, बीड), अशोक तांगड़े (अध्यक्ष, बालकल्याण समिति, बीड), एस. टी. शिंदे (अधीक्षक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बीड), ज्योतीराम घुले, तत्त्वशील कांबळे (अध्यक्ष, राजर्षी छत्रपती शाहू महाराज प्रतिष्ठान, बीड), मिथुन जोगदंड, प्रमोद

जव्हेरी, अलंकार सरवदे और सनी गायकवाड़ सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर न्यायाधीश वहाब सय्यद ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता और परामर्श की जानकारी दी तथा युवाओं से अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने न्यायाधीश बनने की अपनी अध्ययन-प्रक्रिया और अनुभव भी विस्तार से साझा किए।

समाधान किरवले ने बताया कि जिला कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यहां विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण दिए जाते हैं तथा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने जानकारी दी कि १२ जनवरी को युवा दिवस के अवसर पर आंबेजोगाई में रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है, जहां १५ कंपनियों के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से इसमें भाग लेने का आग्रह किया।

सत्यजित ने बताया कि माय भारत कार्यालय बीड जिले में सक्रिय है और युवाओं का संगठन करना, उनकी कला-कौशल को प्रोत्साहित करना तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना इसके प्रमुख कार्य हैं। उन्होंने युवाओं से युवा मंडल स्थापित करने की अपील की।

अशोक तांगड़े ने कहा कि बालकल्याण समिति १८ वर्ष से कम आयु के संकटग्रस्त बच्चों के पुनर्वास के लिए कार्य करती है। यदि कहीं ऐसे बच्चे दिखाई दें या जानकारी मिले तो सहायता के लिए राजर्षी छत्रपती शाहू महाराज प्रतिष्ठान से संपर्क करने तथा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने में सहयोग करने का आह्वान किया। तत्त्वशील कांबळे ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को अपनी ऊर्जा का उपयोग समाजोपयोगी कार्यों में करना चाहिए, किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहकर स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नियमित अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने बाल विवाह, बाल श्रम और बाल यौन शोषण से संबंधित कानूनों की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम का सूत्रसंचालन मिथुन जोगदंड ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन ज्योतीराम घुले ने किया।

चुनाव प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करें : राज्य चुनाव आयुक्त की सूचना

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई :

महानगरपालिका चुनावों के लिए मतदान और मतगणना हेतु पर्याप्त संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों की नियुक्ति करना आवश्यक है। इन सभी का समय पर प्रशिक्षण भी पूरा होना चाहिए; इसमें अनुपस्थित रहने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ऐसे निर्देश राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने बुधवार को दिए।

महानगरपालिका चुनावों के लिए मतदान एवं मतगणना की तैयारी तथा कानून-व्यवस्था के संबंध में सभी २९ महानगरपालिका आयुक्तों, संबंधित पुलिस आयुक्तों एवं पुलिस अधीक्षकों तथा चुनाव निर्णय अधिकारियों की पिछले दो दिनों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से बैठक ली गई थी, उसी समय वे बोल रहे थे। आयोग के सचिव सुरेश काकाणी, पुलिस महानिरीक्षक मनोजकुमार शर्मा सहित आयोग के विभिन्न अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

वाघमारे ने कहा कि मतदान और मतगणना की प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए सभी का प्रशिक्षण होना आवश्यक है। मतदान केंद्रों पर विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में भी सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अवगत कराना चाहिए। मतदान करने आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसकी पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। मतदान केंद्र पर बिजली की उपलब्धता के साथ-साथ पीने का पानी, छाया, शौचालय आदि की व्यवस्था होना आवश्यक है। जहां संभव हो वहां आदर्श मतदान केंद्र स्थापित किए जाएं। मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, छोटे बच्चे के साथ आने वाली महिलाओं, गर्भवती महिलाओं आदि को मतदान के लिए प्राथमिकता दी जाए। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए रैंप तथा व्हीलचेयर जैसी व्यवस्थाएं भी उपलब्ध हों। काकाणी ने बताया कि महानगरपालिका चुनावों के प्रचार की अवधि १३ जनवरी २०२६ को शाम ५:३० बजे समाप्त हो जाएगी, इसलिए उसके बाद इलेक्ट्रॉनिक एवं मुद्रित माध्यमों सहित किसी भी अन्य प्रसार माध्यम से चुनाव संबंधी विज्ञापन प्रकाशित या प्रसारित नहीं किए जा सकेंगे। इसलिए सार्वजनिक प्रचार समाप्त होने के बाद मुद्रित माध्यमों के विज्ञापनों के पूर्व-प्रमाणन या अनुमति का प्रश्न ही नहीं उठता। इस संबंध में विस्तृत प्रावधान राज्य चुनाव आयोग के ९ अक्टूबर २०२५ के 'चुनावों के प्रयोजनार्थ प्रसार माध्यम संनियंत्रण एवं विज्ञापन प्रमाणन आदेश, २०२५' में उल्लेखित किए गए हैं।

पान १ वरून

भाजपा की अंबरनाथ में कांग्रेस और...

इसलिए भाजपा पर तीखे हमले हो रहे हैं।

...तो भाजपा को परिणाम भुगतने पड़ेंगे

इन घटनाओं से राज्य में सत्ता में साझेदार शिवसेना में भारी असंतोष फैला है। अंबरनाथ में शिवसेना को सत्ता से दूर रखने से नाराजगी चरम पर है। शिवसेना के विधायक बालाजी किणीकर ने इस गठबंधन को अभद्र युती करार दिया है। उन्होंने कहा, भाजपा ने सत्ता के लिए अपने सिद्धांत भुला दिए। एक तरफ कांग्रेस मुक्त भारत की बात करती है, दूसरी तरफ सत्ता के लिए सीधे कांग्रेस से हाथ मिलाती है। यह भाजपा की दांभिकता है। सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए सब चल रहा है। आगामी चुनावों से पहले अगर यह 'अभद्र युती' जारी रही, तो भाजपा को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

भाजपा दो मुंह वाला केंचुआ - राऊत

इस गठबंधन पर शिवसेना (ठाकरे गुट) के सांसद संजय राऊत ने भाजपा को दो मुंह वाला केंचुआ कहकर हमला बोला है। राऊत ने कहा, अकोट से मीरा-भाईंदर और अंबरनाथ तक भाजपा की चखचख और कांग्रेस के साथ गुप्त गठबंधन है। सुविधा के लिए ये लोग किसी से भी हाथ मिला लेते हैं। मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए ही यह सारा कारस्थान चल रहा है।

इस बीच, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाळ ने अंबरनाथ में गठबंधन करने वाले शहर अध्यक्ष पाटील सहित १२ नगरसेवकों को निलंबित कर पूरी कार्यकारिणी भंग करने की घोषणा की है।

राज्यभर जोरदार चर्चा

भाजपा-कांग्रेस और भाजपा-चखचख गठबंधनों से संबंधित स्थानीय स्वराज संस्थाओं में तात्कालिक सत्ता संघर्ष भले सुलझ गया हो, लेकिन इससे महाराष्ट्र की समग्र राजनीतिक समीकरणों में नए विवाद की शुरुआत हुई है। ये गठबंधन सत्ता के लिए की गई विवादास्पद सांठगांठ हैं, ऐसी आलोचना राज्यभर से हो रही है। फिलहाल २९ महानगरपालिकाओं के चुनाव १५ तारीख को होने वाले हैं। इन नतीजों पर भी इन गठबंधनों का असर दिखने की संभावना जताई जा रही है।

अंकुशनगर इलाके में हत्या ...

प्रशासन की ओर से बताया गया है कि आरोपी एक कुख्यात अपराधी है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

हर्षद शिंदे नामक मजदूर कल दोपहर अंकुशनगर इलाके में पाइपलाइन का लीकेज ठीक कर रहा था। तभी विशाल सूर्यवंशी वहां आया और उसने शिंदे पर गोली चलाकर उनकी नृशंस हत्या कर दी। दिनदहाड़े हत्या की इस घटना से बीड शहर में हड़कंप मच गया था। घटना के बाद आरोपी विशाल सूर्यवंशी फरार हो गया। आरोपी की तलाश के लिए स्थानीय अपराध शाखा ने दो तथा शिवाजीनगर पुलिस थाने ने एक टीम गठित की है और ये टीमें आरोपी का पता लगा रही हैं। आरोपी के खिलाफ पहले से कई गंभीर मामले दर्ज हैं। मृतक की पत्नी का शिवाजीनगर पुलिस ने बयान दर्ज किया है। हत्या का कारण अभी तक अस्पष्ट है और पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। आज सुबह शव का जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया।

भाजपा की ओर से राम नाम की बजाय...

पर लग रहा है। एक बौद्ध धर्मी महिला संसद में निर्वाचित हुई यह मनुवादी भाजपा की असली पेट दुखी है। वर्षों से जिस समाज और महिलाओं को नेतृत्व करने की संधी मनुवादियों ने नकार दी थी, उन्हें संविधान ने नेतृत्व करने की संधी दी यह मनुवादियों को बहुत खटकता है, ऐसा कहकर सावंत ने आगे कहा कि, भाजपा को धर्म, जाति, भाषा, प्रांत के आधार पर विवाद खड़े करके जनता के प्रश्नों से ध्यान दूसरी ओर मोड़ना है। कांग्रेस पार्टी मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में जनता के मूलभूत प्रश्नों पर ही ध्यान केंद्रित करेगी। इसलिए विकास चाहिए विवाद नहीं, इस कांग्रेस पार्टी की नीति को मुंबईकरों का समर्थन मिल रहा है। भाजपा के अपप्रचार तथा धार्मिक मुद्दों को जनता भिक्षा नहीं देगी, ऐसा भी कहा।

हमें अपनी सीमा और ताकत का अंदाज़ा...

समाधान और समान अवसरों की आधार पर यह चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री नवाब मलिक, विधायक सना मलिक शेख और पूर्व विधायक ज़िशान सिद्दीकी ने शहर की विभिन्न समस्याओं पर गंभीर काम किया है, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार तथा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को भी मुंबई की समस्याओं की गहरी समझ है। इसके अलावा दो बार मुंबई के मेयर रह चुके छगन भुजबल को शहर की राजनीति और प्रशासनिक ढांचे का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

इस मौके पर मीडिया प्रतिनिधियों के सवालों का जवाब देते हुए नवाब मलिक ने मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष अमित साटम पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमित साटम जनता को गुमराह कर रहे हैं। पिछले पचास वर्षों से बांग्लादेशी घुसपैठ के नाम पर राजनीति की जा रही है, लेकिन ज़मीनी हकीकत के बजाय सिर्फ़ डर पैदा किया जा रहा है। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज़ में कहा कि अगर वाकई बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत खराब होने का दावा किया जा रहा है तो सबसे पहले शेख हसीना को भारत से बाहर निकालने की बात करनी चाहिए, जिनकी वजह से बांग्लादेश में हिंदुओं को तकलीफ़ों और समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। धारावी पुनर्विकास के संबंध में नवाब मलिक ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का विचार उन्होंने २००२ में पेश किया था और उस समय भी पार्टी का स्पष्ट स्टैंड यही था कि हर परिवार को सम्मान के साथ घर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि धारावी की विकास हमारी प्राथमिकता पहले भी थी और आज भी है, लेकिन अगर इस प्रोजेक्ट में जनहित के खिलाफ कोई कदम उठाया गया या अडानी ग्रुप की ओर से नाइंसाफी की गई, तो नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी इसका कड़ा विरोध करेगी और जनता के साथ खड़ी रहेगी।

राजनीतिक कटुता पर बात करते हुए नवाब मलिक ने कहा कि कल्याण डोंबिवली में शिवसेना और बीजेपी ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए, लेकिन बाद में वही सत्ता में एक साथ नज़र आए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक राजनीतिक कड़वाहट न बढ़े, इस उद्देश्य से उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित बीजेपी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से बातचीत की है और इस बात पर सहमति हुई है कि आगे राजनीतिक मतभेदों को व्यक्तिगत दुश्मनी में नहीं बदला जाएगा।

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के जारी किए गए मेनिफेस्टो में 'अपनी मुंबई, सब की मुंबई' के नज़रिए के तहत गरीब, मध्यम और संपन्न वर्ग सबको समान अवसर प्रदान करने की बात कही गई है। इसमें पुरानी चालों और झोपड़पट्टियों में मुफ्त पानी, बुनियादी ढांचे की बेहतरी, दिव्यांगों के लिए मुंबई मेट्रो में पूर्ण छूट, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, महिलाओं की सुरक्षा और पारदर्शी नगर प्रशासन जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि यह मेनिफेस्टो महज़ वादों का संग्रह नहीं बल्कि मुंबई को सामाजिक सद्भाव, समानता और सतत विकास की राह पर ले जाने का व्यावहारिक खाका है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com